अद्रिसुतावर कल्यण

रागम्: कल्याणि ताळम्: आदि (चेम्पट)

(श्री स्वाति तिरुनाळ् विरचित)

पल्लवि

अद्रिसुतावर कल्यण शैलशरासन मामव शम्भो

अनुपल्लवि

भद्रवर दयम्बुनिधे वरपन्नगाभरण लोकशरणानिशम्

चरणम्

देवनदीसमलंकृतनिजजट दीनलोकपरिपालक सुविमल

भावयोगिहृदयाम्बुजनिलय सुधावदातम्रुदुहसित विभो

पावनानुमपचरित निवारितपापजाल विबुधौघविनतपद
सेवकाखिलविषादहरणचण चित्तयोनिदहनातिमहितपर ॥ १ ॥

शीतभानुपृथुकावतंस रिपुजातवारिधरमारुत निरुपम

वीतमोहमदकैतव पटुतम भूतवृन्दपरिवृत सविध-

पूतनामनिकराश्रितजनघनपुण्यजाल रजतादि, कृतनिलय
भूतिदायक मनोज्ञ सुगुण हरिसूतिपाशुपतसायकद सततम् ॥ २ ॥

घोरपुरविपिनदाव मृकण्डुकुमारभीतिविनिवारण शरदिज -

सार सारसदळोपमलोचन सामजाजिनदुकूल विभो

पूरिताश्रितमनोरथ शङ्कर भारतीशसुरनायकसेवित
नारदादिमुनिगीतचरित पद्मनाभसेवकजनानुकूलपर ॥ ३ ॥

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇